PROF. SAURIN BHATTACHARYA: Sir, it is useless to sit here for hours...

श्री कृष्ण लाल शर्मा: प्रश्न संख्या 123

MR. CHAIRMAN: I should not...*(interruptions)*.

PROF. SAURIN BHATTACHARYA: ...in spite of assurances from you.

(At this stage the hon. Member left the Chamber)

Pollution of Yamuna River

*123. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of ENVIRONMENT & FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Yamuna is at present the most polluted river in the northern part of the country;

(b) whether it is also a fact that Government propose to constitute another authority to clean the Yamuna river;

(c) if so, the main features of the plan to cleanse the river and when the authority is likely to be constituted?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) to (c) Yamuna river is one of the highly polluted rivers of the country. A scheme of pollution abatement of river Yamuna is under consideration of the Government. Details in this regard are being worked out.

श्री कृष्ण लाल शर्मा: सभापति महोदय, मंत्री महोदय ने जो उत्तर दिया है, उस में उन्होंने स्वीकार किया है कि यमुना देश की सबसे अधिक प्रदूषित नदियों में से एक है। किन्तु यह स्वीकार करने के बाद भी यह जानते हुए भी कि देश की राजधानी दिल्ली में लाखों लोग यमुना नदी के पानी पर निर्भर हैं, पीने का पानी और सिंचाई का पानी यहीं से लेते हैं, अभी तक इस के बारे में मंत्री महोदय ने केवल टालने वाला उत्तर दिया है और यह बताया है कि स्कीम, योजना जो है वह विचाराधीन है। अब इतने वर्षों के बाद यह मानते हुए कि यह नदी सबसे अधिक प्रदूषित है और दिल्ली देश की राजधानी है, यहां के लोगों को जो पानी पिला रहे हैं, इस समय 470 मिलियन गैलन में से वन थर्ड, 130 मिलियन गैलन यमुना में पीने का पानी दिल्ली के नागरिकों को दिया जा रहा है....

MR. CHAIRMAN: Please give a chance to the Minister to explain the scheme.

श्री कृष्ण लाल शर्मा: मैं यह जानना चाहता हूं कि अगर इतना प्रदूषण का यह विषय है तो सरकार ने अभी तक इस संबंध में कोई समय-बद्ध कार्यक्रम बनाया है और क्या गंगा प्राधिकरण के स्तर का यमुना के लिए भी कोई प्राधिकरण बनाने का उन्होंने निश्चय किया है? यह मेरा पहला पूरक प्रश्न है। .....**(व्यवधान)**

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव: सरयू नदी का प्रदूषण जो किया है उस का भी बताइए.....**(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: Let us have silence. Please listen. Let us not pollute the House with too much noise.

श्री कमल नाथ: माननीय सदस्य ने यह आरोप लगाया कि इसमें कुछ नहीं हुआ। मैंने जानते हुए और मानते हुए यह जवाब दिया और उन्होंने सुनते हुए भी नहीं समझा। सर, मैं फिर से समझा देता हूं। मैंने यह कहा कि यह जो योजना है यह अंडर कंसिडरेशन है इस पर विचार किया जा रहा है। इसके ये माने नहीं कि इसमें अधिक समय लगेगा। यह योजना बन गई है गंगा ऐक्शन प्लान फेज-2, इसकी जो कार्यवाही है पूरी भी हुई है। अब कैबिनेट सी०सी०ए० में यह पेंडिंग है। जैसे ही यह ऐप्रूव हो जाती है यह योजना लागू की जाएगी। इसमें दिल्ली भी सम्मिलित है और जो दिल्ली के यमुना नदी के प्रदूषण का प्रश्न है, मुझे विश्वास है कि जैसे ही यह योजना शुरू होती है, इस में सुधार होगा।

MR. CHAIRMAN: Second supplementary.

श्री कृष्ण लाल शर्मा: सभापति महोदय, मेरा दूसरा पूरक प्रश्न यह है कि यमुना नदी का पानी इस समय तीन प्रदेशों में, उस का हिस्सा बांटा जा रहा है, दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश। अब इसके लिए भी जैसे पहले मंत्री महोदय ने बताया स्कीम तो है, लेकिन उन्होंने डिटेल्स नहीं दीं। मैं यह जानना चाहता हूं कि इन तीनों प्रदेशों में पानी के बंटवारे के लिए कोई निश्चित बोर्ड बना है और चूंकि दिल्ली की यह शिकायत है, और प्रदेशों की भी हो सकती है, कि उन को हिस्सा बराबर नहीं मिल रहा है, तो क्या बोर्ड बना है और वह बोर्ड इनके हिस्से तय करके उन को पानी दे रहा है, इसके बारे में जानकारी दीजिए।

श्री कमल नाथ: श्रीमान, जो सेंट्रल गंगा अथॉरिटी है वह इंस्टीट्यूशनल अरेंजमेंट है, जिस के माध्यम से यह योजना बनाई गई है। इस में हरियाणा, दिल्ली, यू०पी० भी सम्मिलित हैं। हरियाणा में यमुनानगर, जगाधरी, करनाल, पानीपत, सोनीपत, गुड़गांव और फरीदाबाद नगर हैं। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद, नोएडा, वृन्दावन, मथुरा, आगरा और इटावा है। माननीय सदस्य को जो इसमें चिंता है यह चिंता इन योजनाओं में ली गई है। इन नगरों का जो परदूषण आज यमुना नदी में फैंका जाता है इसमें एफलुएंट है, इंडस्ट्रियल डिसचार्ज है। इस योजना के अंतर्गत हमें विश्वास है कि इसमें सुधार आयेगा, जैसा मैंने पहले कहा।

श्री शंकर दयाल सिंह: सभापति जी, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि गंगोत्री से जो गंगा निकलती है तो कहां से प्रदूषण उसमें अधिक शुरू होता है? मैं इसलिए जानना चाहता हूं कि गंगोत्री और यमुनोत्री से जहां से गंगा और यमुना निकलती है वहां से प्रदूषण नहीं है। प्रदूषण की शुरूआत होती है वहां से जहां हमारे बड़े औद्योगिक शहर हैं या कलकारखाने हैं। इस संदर्भ में मैं मंत्री महोदय से विशेषरूप से यह जानना चाहता हूं कि दिल्ली में प्रति दिन कितना प्रदूषित जल का बहाव यमुना में होता है और उनमें कितना नागरिक आपूर्ति के जल का बहाव है और कितना फैक्ट्रियों के प्रदूषण का बहाव है जो उसमें गिरता है?

श्री कमल नाथ: दिल्ली में जब तक यमुना पहुंचती है तो काफी इंडस्ट्रियल एरियाज में से होकर पहुंचती है। यमुना की बात है इसलिए मैं यमुना तक ही सीमित रखूंगा अपने को, गंगा तक नहीं पहुंचुंगा। जब तक यमुना दिल्ली में आती है उन नगरों से होकर आती है जो इंडस्ट्रियल टाउन हैं जिनका नगर पालिका, नगर निगम द्वारा प्रोपर अरेंजमेंट नहीं है, एफ्लुएंट ट्रीटमेंट है, वह सब इस नदी में फैंक दिया जाता है, सब यमुना में ही डिसचार्ज कर दिया जाता है। बड़े-बड़े औद्योगिक नगर जैसे यमुनानगर, जगाधरी, करनाल, पानीपत यहां से जब बहती हुई यमुना दिल्ली पहुंचती है तब तक काफी प्रदूषण यमुना में हो गया होता है। दिल्ली का बोझ और यमुना को उठाना पड़ता है। इसलिए यह योजना जो है गंगा एक्शन प्लान फेज-2 में ली गई है। गंगा एक्शन प्लान फेज-1 गंगा के लिए है। गंगा एक्शन प्लान फेज-2 यमुना के लिए है, गंगोत्री और दामोदर नदी के लिए है क्योंकि ये देश की तीन अधिक से अधिक प्रदूषित नदियों में है।

श्री शंकर दयाल सिंह: मैंने दिल्ली का पूछा था। दिल्ली में कितना प्रदूषित जल प्रतिदिन यमुना में गिरता है? इसकी सूचना आपके पास होनी चाहिए।

SHRI KAMAL NATH: Sir, this is a very specific question and I will give the Member this information.

SHRI JAGMOHAN: Sir, there are two parts to my question. One is: the hon. Minister must be aware that about 350 million gallons of untreated sewage goes into the Yamuna. Pending the formulation of the Master Plan and the General plan, are there any interim measures in hand to clean the water? Particularly the quality of water at Okhla according to a study is 4800 times inferior to the permissible level? Is there any interim measure in hand? Part two: there are about three lakh squatters including Bangladeshi infiltrators who are squatting on the river-bed of the Yamuna and openly defecating in the area. Is any measure in hand to resettle these squatters elsewhere so that pollution could be minimised? These are the two parts of my question.

SHRI KAMAL NATH: In Delhi 280 million gallons per day after partial treatment, not full treatment but after partial treatment, is discharged into the river Yamuna. Sir, efforts have been made with municipal authorities and by imposition of certain effluent discharge standards on industry to control this. But the Master Plan will consist in the Ganga Action Plan of phase 2...which has components of treating municipal waste, of dealing with non-point sources, runoffs, solid waste, disposals, etc. So, the real Master Plan will be the instrument to deal with this. There are efforts with the Municipal Corporation, etc., to deal with things like low-cost sanitation, etc. which are taking place. Sir, where the second question is concerned, with regard to Bangladesh refugees, that is, the eviction of these refugees, I will request the concerned Ministry to take this up.

श्री मूलचन्द मीणा: सभापति महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि जमुना नदी में कई

शहरों से जमुना नदी का पानी दूषित होता है। ऐसा कौन-सा शहर है जिससे सबसे ज्यादा जमुना नदी के पानी को दूषित किया जाता है? दूसरा प्रश्न मैं यह पूछना चाहता हूं कि आपने पिछले साल में किस-किस नदी के पानी को दूषित होने से बचाने के लिए कितना पैसा खर्च किया और किस नदी पर किया? आने वाली अगली योजनाओं के अन्दर कौन-कौन सी नदियों के पानी को दूषित होने से बचाने के लिए आपकी क्या-क्या योजनायें हैं?

श्री कमल नाथ: यह मूल्यांकन करना कि कौन-सी जगह से सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलता है तो प्रदूषण तो तरह तरह का होता है। इंडस्ट्रियल वेस्ट है, म्यूनिसिपल वेस्ट है, सोलिड वेस्ट है, इस तरह से तरह-तरह का प्रदूषण होता है। इसलिए यह मूल्यांकन करना कि कौन-से नगर से किस प्रकार का प्रदूषण होता है, यह कहना मुश्किल है।

श्री अजीत जोगी: कौन-सी पार्टी ने सबसे ज्यादा प्रदूषण किया है?

श्री कमलनाथ: यह तो ये खुद ही जानते होंगे। परन्तु दिल्ली सबसे बड़ा नगर होने के कारण सबसे ज्यादा प्रदूषण दिल्ली से यमुना नदी में होता है। जहां तक इन्होंने पूछा है कि कितना पैसा खर्च किया गया है, पहली फरवरी तक गंगा एक्शन प्लान फेज-I में 330 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं।

National Police Agency

*124. CHOWDHRY HARI SINGH: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to set up a National Police Agency for dealing with a part of CBI's work;

(b) if so, by when it is likely to be approved and set up;

(c) what will be its role in regard to investigation of cases; and

(d) in what manner its role will be different from that of the CBI; the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS: (SHRI P.M. SAYEED (a) to (d) The 13th Report of the Estimates Committee of the 10th Lok Sabha had recommended the setting up of a separate National Police Agency under the Ministry of Home Affairs. The Estimates Committee had recommended that the National Police Agency should focus on crimes of national and trans-national importance whereas the CBI should focus on anti-corruption work. The recommendations of the Committee are under examination.

CHOWDHRY HARI SINGH: Sir, the CBI is flooded with so many cases, commercial, economic and conversion crimes; on the other hand, there are so many specialised cases and technical ones. Advanced crimes are happening. So, under this condition, bifurcation and making a special agency, the National Police Agency, is very necessary. So, may I know what the causes of delay are in setting up this agency, the National Police Agency?

SHRI S.B. CHAVAN: Sir, these are the recommendations of the Estimates Committee and these are under the active consideration of the Government. A number of Ministries have to be consulted in the matter. The Committee of Secretaries have also to consider all aspects of the questions and, thereafter, the whole thing has got to go to the Cabinet and the Cabinet has to take the decision as to whether, the recommendation needs to be accepted as it is or some modification is called for.

CHOWDHRY HARI SINGH: Sir, as I said before, the CBI is flooded with so many cases. These days, the international agencies are doing a nefarious work in this country. How is the CBI going to tackle this problem of the international agencies?

MR. CHAIRAMAN: Question Hour is over.